महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्,गोरखपुर

संस्थापक–समारोह 2019

(4 दिसम्बर से 10 दिसम्बर)

मो. : 9415822524
9450883021
9450489652

प्रतियोगिता परिणाम एवं अन्य जानकारी के लिए देखें **website** – www.mpspgkp.in

मुख्य संरक्षक : गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

दिनांक : 04.12.2019

प्रकाशनार्थ

4 दिसम्बर। बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में ही सामाजिक पुनर्जागरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रान्ति का सूत्रपात ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने किया। महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने महन्त दिग्विजयनाथ जी के सपनों को पूरा किया। वर्तमान पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज श्री गोरक्षपीठ के यशस्वी परम्परा के विकास के साथ–साथ सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में एक नयी कार्य संस्कृति के देवदूत बनकर उभरे हैं। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् उसी क्रान्ति की एक कड़ी है। गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की स्थापना की सूत्रधार रही शिक्षा परिषद का संस्थापक समारोह उस वट वृक्ष की गरिमा को ही प्रतिष्ठित करता है। श्री गोरक्षपीठ द्वारा भावी पीढ़ी के निर्माण के प्रति सजगता राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की दिशा में अत्यन्त ही प्रभावी प्रयास है। गोरखपुर एवं श्री गोरक्षपीठ का सम्बन्ध हिमांचल प्रदेश से भी है। वहीं के ज्वालादेवी से महायोगी गोरखनाथ गोरखपुर आये। श्रीगोरक्षपीठ एक ऐसी धार्मिक पीठ है जिसने देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। देश के मान सम्मान की वृद्धि के लम्बे इतिहास में इस पीठ की ऐतिहासिक भूमिका रही है देश जब आजादी की लड़ाई लड़ रहा था आजादी के बाद आने वाली चुनौतियों को इस पीठ के युगद्रष्टा पीठाधीश्वरों ने देखा, समझा और उसको स्वीकार किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी उसी पीठाधीश्वरों की यशस्वी पीढ़ी के नायक है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना शिक्षा, सेवा एवं सामाजिक परिवर्तन में संत परम्परा को प्रतिबिम्बित करने के लिए किया गया था। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नये भारत गढ़ने वाली एवं समृद्ध और समर्थ राष्ट्र के लिए समर्पित युवा पीढ़ी का शारीरिक एवं मांनसिक दृष्टि से उत्कृष्टता के साथ ही साथ आत्मानुशासन का अभिनव प्रयोग शोभा यात्रा के माध्यम से दृष्टिगत होता है। गोरक्षपीठ ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा और साधना का जो प्रतिमान खड़ा किया है, वह अद्वितीय है, अद्भुत है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं में अपार क्षमता है। आप प्रयत्न कर बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल करें। उक्त बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के 87वें संस्थापक–सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित शोभायात्रा का शुभारम्भ करते हुए **श्री जयराम ठाकुर माननीय मुख्यमंत्री, हिमांचल प्रदेश ने बतौर मुख्य अतिथि कही।** महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के प्रांगण में शिक्षा परिषद् की चार दर्जन से अधिक शिक्षण, प्रशिक्षण एवं चिकित्सा संस्थाओं, उपस्थित हजारों छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, महानगर के प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र एवं समाज की धुरी है। भावी पीढ़ी की शिक्षा व्यवस्था जैसा निर्माण करेगी वैसा ही देश का भविष्य बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा का संकल्प लेकर, मातृभूमि के समर्पण और त्याग, माता पिता तथा गुरु के प्रति श्रद्धावनत् रहने का जो पाठ इन शिक्षण संस्थाओं द्वारा पढ़ाया जा रहा है, वह राष्ट्र सेवा का एक अभिनव प्रयास है।

उन्होनें आगे कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनो के भारत में उत्तर प्रदेश एक बड़ी चुनौती है इस चुनौती को महन्त योगी आदित्यनाथ जी ने स्वीकारा है। उत्तर प्रदेश को योगीराज के अल्प समय में ही गुण्डा राज्य एवं भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली है और यहा सुशासन स्थापित हुआ है। माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्वमंच भारत की विशिष्ट पहचान बनी है। बढ़ते भारत में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का योगदान भी महत्वपूर्ण है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का यह भव्य आयोजन इस बात का साक्षी है। श्रीगोरक्षपीठ की शिक्षा, चिकित्सा के माध्यम से लोक कल्याण का अभियान अनवरत जारी है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए **उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री,गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन हमारे लिए अनुशासन का पर्व है। अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा इस आयोजन का प्राण है। ब्रह्मलीन

महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रज्वलित सेवा–साधना एवं तप की अखण्ड ज्योति निरन्तर जलती रहेगी। पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज द्वारा प्रारम्भ किये गये सामाजिक समरसता तथा स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रियता का अपना दायित्व गोरक्षपीठ निभाता रहेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा शिक्षा का प्रसार जारी रहेगा। हम भावी पीढ़ी को अनुशासन एवं शील का पाठ पढ़ाते रहेंगे तथा उन्हें भारतीय संस्कृति की ज्ञान गंगा में स्नान कराते रहेंगे। हिन्दुत्त्व और विकास तथा सबका साथ सबका विकास के मंत्र के साथ भारत को जगत गुरू बनाने बढ़ते रथ को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की शिक्षण संस्थाओं से निकलने वाली होनहार भावी पीढ़ी गति प्रदान करती रहेगी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की संस्थाएं अपने–अपने क्षेत्र में प्रतिमान बनकर समाज एवं राज्य का मार्गदर्शन करेंगी।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक–सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर **हिमांचल प्रदेश के मुख्य श्री जयराम ठाकुर ने** शोभायात्रा के शुभारम्भ की घोषणा की। **महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो.यू.पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।** गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज की उपस्थिति एवं उनके सान्निध्य में प्रारम्भ संस्थापक–सप्ताह समारोह के महोत्सव में मुख्य अतिथि एवं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप की आदम्कद प्रतिमा पर माल्यार्पण, ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि, महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा ध्वजगान, कुलगीत, श्री शिवांश मिश्र द्वारा दिग्विजयस्त्रोत पाठ, डॉ.प्रांगेश मिश्र द्वारा अवेद्यनाथस्त्रोत पाठ के साथ आज के भव्यतम संस्थापक–सप्ताह समारोह का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

समारोहपूर्ण आयोजन के पश्चात **राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के साथ शोभायात्रा प्रारम्भ हुई।** अलग–अलग सस्थाओं की छात्र– छात्राएं अपने गणवेश में, राष्ट्रगीतों की धुन पर बजते बैंड, विविध झांकियों के साथ **''भारत माता की जय'', वन्दे मातरम्, गांव–गांव में जायेंगे, सामाजिक समता लायेंगे, एक बनेंगे नेक बनेंगे, विविधता में एकता भारत की विशेषता, अलग भाषा अलग वेश फिर भी अपना एक देश, हम सब हैं भारत के लाल, छूआछूत का कहाँ सवाल, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत** आदि गगन भेदी नारों के साथ पर्यावरण प्रदूषण, इन्सेफलाइटिस, भ्रष्टाचार, एफ.डी.आई, आन्तरिक सुरक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, डिजिटल इण्डिया, कौशल विकास, स्टार्टप इण्डिया तथा 'उत्तर प्रदेश विकास की ओर' जैसे विविध झांकियों के साथ छात्र और छात्राओं द्वारा सामाजिक परिवर्तन में अपनी भूमिका और राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्पबद्धता की उद्घोषणा करते हुए शोभायात्रा सम्पन्न हुई। समारोह का संचालन दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज के डॉ.श्रीभगवान सिंह ने तथा आभार ज्ञापन दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

संस्थापक-सप्ताह समारोह में आज

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक–सप्ताह समारोह में कल दिनांक 5 दिसम्बर 2019 को योगासन प्रतियोगिता–प्रताप आश्रम में, पी.टी. प्रतियोगिता– महाराणा प्रताप सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता मंगला देवी मन्दिर, गोरखपुर, चित्रकला प्रतियोगिता–दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में, प्रश्नमंच (क्विज) कनिष्ठ वर्ग प्रतियोगिता–दिग्विजयनाथ एल.टी.प्रशिक्षण महाविद्यालय, गोरखपुर, एवं वरिष्ठ वर्ग महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सभागार, शिक्षाप्रद संत वचन प्रतियोगिता–दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज के बी.एड़. विभाग में, कबड्डी (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता–महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज एवं कबड्डी (बालक वर्ग) प्रतियोगिता–महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के प्रांगण में सम्पन्न होगा।

इस अवसर पर दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वी.के. सिंह, उ.प्र.हिन्दी संस्थान के अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, प्रो. डी. के.सिंह, श्री प्रमथ नाथ मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र सिंह, डॉ. टी.पी. शाही, श्री प्रमोद चौधरी, अमरकंटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डॉ. राजेन्द्र भारती, प्रो.केशव सिंह, प्रो. रविशंकर सिंह, महापौर श्री सीताराम जायसवाल, नगर विधायक राधा मोहन दास अग्रवाल, गोरखपुर ग्रामीण के विधायक श्री विपिन सिंह, सहजनवा विधायक श्री शीतल पाण्डेय, पूर्व मेयर अन्जू चौधरी, पूर्व मेयर सत्या पाण्डेय, श्री रामजनम सिंह, श्री शिवाजी सिंह, श्री पी.के.मल्ल, डॉ.उग्रसेन सिंह, डॉ. शैलेन्द्र उपाध्याय, श्री उपेन्द्र शुक्ला, विधायक श्रीमती संगीता यादव, विधायक श्री राकेश सिंह वघेल, डॉ. आर.एन. गुप्ता सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा नगर के गणमान्य जन उपस्थित थे।

(डॉ. राहुल मिश्रा)
मीडिया प्रभारी